चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जन उजाला	9-9-26	5	1-3

ई-शिक्षा नीति का उद्देश्य रोजगार को बढ़ावा देना

एनईपी के प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद, डिजिटल कृषि से जोड़ने पर जोर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 एवं छठी डीन समिति की सिफारिशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मंगलवार को संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि ई-शिक्षा नीति का उद्देश्य उद्यमिता व रोजगार को बढ़ावा देना है।

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यावहारिक कौशल और उद्यमशीलता विकसित करना है। इससे उन्हें रोजगार के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसरों के लिए भी तैयार किया जा सकेगा।

विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि और डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक तकनीकों के अनुरूप तैयार करना जरूरी है। यह पाठ्यक्रम में सुधार पहला कदम है। इसके साथ शिक्षक क्षमता, आधारभूत संरचना, प्रयोगशालाओं, डिजिटल सुविधाओं और संस्थागत सहयोग को मजबूत करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को परीक्षा-केंद्रित अध्ययन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्हें व्यावहारिक कौशल, समस्या समाधान, संचार और उद्यमशीलता की क्षमता विकसित करने के अवसर मिलने चाहिए। शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता विकास पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। स्रोत : संस्थान

विशिष्ट अतिथि आईसीएआर के अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. अजीत सिंह यादव ने कहा कि विद्यार्थियों की इंटर्नशिप और क्षेत्रीय प्रशिक्षण केवल प्रमाण-पत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-9-26	5	1-2

हकृवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

हिसार, 8 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 एवं छठी डीन समिति की सिफारिशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. अजीत सिंह यादव कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम में बदलाव करना नहीं, बल्कि शिक्षण-अधिगम, कौशल विकास, अनुभवात्मक शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार क्षमता में सार्थक परिवर्तन लाना है।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि एवं डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक तकनीकों के अनुरूप तैयार करना आवश्यक है। डॉ. अजीत सिंह यादव ने कृषि शिक्षा में अनुभवात्मक एवं कौशल-आधारित शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	9-9-26	12	2-6

हकृवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद कार्यक्रम

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य रोजगार को बढ़ावा देना : काम्बोज

नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार क्षमता में सार्थक परिवर्तन लाना बहुत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 एवं छठी डीन समिति की सिफारिशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. अजीत सिंह यादव कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम में बदलाव करना नहीं, बल्कि शिक्षण-अधिगम, कौशल विकास, अनुभवात्मक शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार क्षमता में सार्थक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि एवं डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक तकनीकों के अनुरूप तैयार करना आवश्यक है।

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

प्रभावी क्रियान्वयन से सशक्त होगी कृषि शिक्षा

डॉ. अजीत सिंह यादव ने कृषि शिक्षा में अनुभवात्मक एवं कौशल-आधारित शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इंटर्नशिप एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण केवल प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों के साथ व्यावहारिक रूप से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके गोयल ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रमेश यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9-9-26	7	6-8

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य उद्यमिता व रोज़गार को बढ़ावा देना : प्रो. काम्बोज

हिसार, 8 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 एवं छठी डीन समिति की सिफारिशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. अजीत सिंह यादव कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम में बदलाव करना नहीं, बल्कि शिक्षण-अधिगम, कौशल विकास, अनुभवात्मक शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार क्षमता में सार्थक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि एवं डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक तकनीकों के अनुरूप तैयार करना आवश्यक है।

कुलपति ने कहा कि पाठ्यक्रम में सुधार पहला कदम है, जबकि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षक

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए।

हकृवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

क्षमता, आधारभूत संरचना, प्रयोगशालाओं, डिजिटल सुविधाओं तथा संस्थागत सहयोग को भी मजबूत करना जरूरी है। डॉ. अजीत सिंह यादव ने कृषि शिक्षा में अनुभवात्मक एवं कौशल-आधारित शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इंटर्नशिप एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण केवल प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों के साथ व्यावहारिक रूप से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए। संवाद के दौरान बहु-प्रवेश एवं बहु-निकास व्यवस्था, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), क्रेडिट हस्तांतरण, विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम चयन में लचीलापन, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, बहुविषयक शिक्षा, सतत मूल्यांकन एवं इंटर्नशिप प्रबंधन सहित एनईपी के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही विश्वविद्यालय-उद्योग-किसान सहभागिता को मजबूत करने तथा विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ने पर भी विचार-विमर्श किया गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. गोयल ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप संशोधित पाठ्यक्रम के तहत संचालित किए जा रहे कौशल विकास एवं वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.09.2026	-----	----

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य उद्यमिता व रोजगार क्षमता में परिवर्तन लाना है : प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 एवं छठी डीन समिति की सिफारिशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. अजीत सिंह यादव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम में बदलाव करना नहीं, बल्कि शिक्षण-अधिगम, कौशल विकास, अनुभवात्मक शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार क्षमता में सार्थक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि एवं डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक तकनीकों के अनुरूप तैयार करना आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि पाठ्यक्रम में सुधार पहला कदम है, जबकि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षक क्षमता, आधारभूत संरचना, प्रयोगशालाओं, डिजिटल सुविधाओं तथा संस्थागत सहयोग को भी मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास पर भी जोर दिया। साथ ही विद्यार्थियों को केवल परीक्षा-केंद्रित अध्ययन तक सीमित न रहकर व्यावहारिक कौशल, समस्या समाधान, संचार एवं उद्यमशीलता की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. अजीत सिंह यादव ने कृषि शिक्षा में अनुभवात्मक एवं कौशल-आधारित शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इंटर्नशिप एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण केवल प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, कृषि उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों के साथ व्यावहारिक रूप से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए। संवाद के दौरान बहु-प्रवेश एवं बहु-निकास व्यवस्था, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, क्रेडिट हस्तांतरण, विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम चयन में लचीलापन, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, बहुविषयक शिक्षा, सतत मूल्यांकन एवं इंटर्नशिप प्रबंधन सहित एनईपी के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही विश्वविद्यालय-उद्योग-किसान सहभागिता को मजबूत करने तथा विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	08.09.2026	-----	----

हकृवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 एवं छठी डीन समिति की सिफारिशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अतिरिक्त महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. अजीत सिंह यादव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम में बदलाव करना नहीं, बल्कि शिक्षण-अधिगम, कौशल विकास, अनुभवात्मक शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार क्षमता में सार्थक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि एवं डिजिटल कृषि जैसी आधुनिक तकनीकों के अनुरूप तैयार करना आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि पाठ्यक्रम में सुधार पहला कदम है, जबकि इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षक क्षमता, आधारभूत संरचना, प्रयोगशालाओं, डिजिटल सुविधाओं तथा संस्थागत सहयोग को भी मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास पर भी जोर दिया। साथ ही विद्यार्थियों को केवल परीक्षा-केंद्रित अध्ययन तक सीमित न रहकर व्यावहारिक कौशल, समस्या समाधान, संचार एवं उद्यमशीलता की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से सशक्त होगी कृषि शिक्षा : डॉ. अजीत सिंह यादव

डॉ. अजीत सिंह यादव ने कृषि शिक्षा में अनुभवात्मक एवं कौशल-आधारित शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इंटर्नशिप एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण केवल प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों के साथ व्यावहारिक रूप से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए। संवाद के दौरान बहु-प्रवेश एवं बहु-निकास व्यवस्था, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), क्रेडिट हस्तांतरण, विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम चयन में लचीलापन, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, बहुविषयक शिक्षा, सतत मूल्यांकन एवं इंटर्नशिप प्रबंधन सहित एनईपी के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही विश्वविद्यालय-उद्योग-किसान सहभागिता को मजबूत करने तथा विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ने पर भी विचार-विमर्श किया गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. गोयल ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप संशोधित पाठ्यक्रम के तहत संचालित किए जा रहे कौशल विकास एवं वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रमेश यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।